भजन

तर्ज–दिल के अरमां

देख ली माया जो दिखलाई धनी
ले चलो अब तो ये ना भायी धनी

1–भूल की चाहत जो इसकी हमने की
होना था वो हो गया मेरे धनी
2–ये तो माया खूबसूरत है बड़ी
देखकर हम तो लुभाई धनी
3–कह रहें है धाम अब ले कर चलो
क्या गुनाह हम कर रहे मेरे धनी
4–बेनियाजी थी बहुत भोली थी हम
सोचा ना कोई खेल भी ऐसा हो धनी
5–माफ कर दो जो खता हमने की
ठोकरें हम खा चुके मेरे धनी